भारतीय ज्ञान परंपरा :
दार्शनिक आधार, साहित्यिक संस्त्रोत, और लोक परंपराएँ

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

14 फरवरी, 2026

गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान

(इलाहाबाद विश्वविद्यालय का संघटक संस्थान)

प्रयागराज

भारतीय ज्ञान परंपरा :

दार्शनिक आधार, साहित्यिक संस्रोत, और लोक परंपराएँ

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

14 फरवरी, 2026

भारतीय ज्ञान परंपरा भारत की उस जीवंत बौद्धिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती है, जो दर्शन, साहित्य, लोक परंपराओं, नैतिकता और रोज़मर्रा के सामाजिक अनुभवों में अंतर्निहित है। यह ज्ञान परंपरा एकरेखीय या केवल ग्रंथ-केंद्रित न होकर बहुवाचिक, संवादपरक, अनुभव-आधारित और समुदाय-संलग्न रही है।

'भारतीय ज्ञान परंपरा के दार्शनिक आधार, साहित्यिक एवं लोक परंपराएँ' विषय पर प्रस्तावित यह एक दिवसीय अकादमिक सेमिनार भारतीय ज्ञान को एक जीवंत, आलोचनात्मक और समकालीन वैचारिक ढाँचे के रूप में पुनर्स्थापित करने का प्रयास है। सेमिनार भारतीय बौद्धिक परंपराओं के दार्शनिक आधारों, प्राचीन साहित्य व महाकाव्यों, भक्ति आंदोलन, स्त्री लेखन तथा जैविक बौद्धिक परंपराओं और लोक ज्ञान प्रणालियों पर अंतर-विषयक संवाद को प्रोत्साहित करेगा।

रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को नैतिक, सामाजिक और राजनीतिक विमर्श के स्रोतों के रूप में तथा भक्ति परंपरा को ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की एक सशक्त बौद्धिक शक्ति के रूप में समझा जाएगा। साथ ही, लोक ज्ञानी, समुदाय-आधारित ज्ञान और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को वैध ज्ञान प्रणालियों के रूप में केंद्र में रखा जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के संदर्भ में यह सेमिनार अनुसंधान, पाठ्यक्रम विकास और संस्थागत अकादमिक अभ्यास के लिए सार्थक सिफारिशें प्रस्तुत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सेमिनार का उद्देश्य गंभीर अकादमिक संवाद को बढ़ावा देना, IKS आधारित अनुसंधान संस्कृति को सशक्त करना तथा संस्थान की बौद्धिक और अकादमिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम

09:00–09:30 **पंजीकरण** (Registration)

10:00–11:15 **उद्घाटन सत्र**

11:15-11:30 चाय

11:30–12:30 **सत्र 1: भारतीय बौद्धिक परंपराओं के दार्शनिक आधार**
भारतीय ज्ञान परंपरा के दार्शनिक आधारों–धर्म, कर्म, मोक्ष और विभिन्न दर्शनों की बहुलवादी सोच–पर संक्षिप्त विमर्श।

13:00–14:15 लंच

14:15–15:15 **सत्र 2: बौद्धिक और लोक परंपराएँ**
लोक ज्ञान, जैविक बुद्धिजीवियों और सामुदायिक परंपराओं की सांस्कृतिक निरंतरता व बौद्धिक भूमिका पर केंद्रित चर्चा।

15:15–15:30 चाय

15.30-16.45 **सत्र 3: भारत के महाकाव्य- ज्ञान, नैतिकता और समाज**
भारतीय महाकाव्यों को ज्ञान, नैतिकता और समाज के जीवंत व समावेशी पाठ के रूप में समझने का प्रयास

16:45–17:15 **समापन सत्र**

निवेदक:

प्रो. टी.वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज

प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
निदेशक, गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें :

डॉ. सुभाष कुमार
9453876030

G.B. Pant Social Science Institute

Jhusi, Prayagraj - 211019 (U.P.) India
Phone: 0532-2569206
Phones: EPABX: 0532-2567516, 2569298, 2567802
Fax: 0532-2569214
E-mail: director@gbpssi.in

www.gbpssi.in